



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

---

12 आषाढ़ 1936 (श0)  
(सं0 पटना 566) पटना, बृहस्पतिवार, 3 जुलाई 2014

---

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

9 जून 2014

सं0 22/नि0सि0(मोति0)—08—08/2007/705—श्री नरेन्द्र बहादुर सिंह, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता, ढाका नहर नवीकरण प्रमण्डल, ढाका (सम्प्रति सेवानिवृत्त) के विरुद्ध वर्ष 2004—05, 2005—06 एवं 2006—07 में कराये गये गेटों की मरम्मति कार्य एवं लकड़ी के संधारित लेखा जाँच उड़नदस्ता अंचल से कराई गई। उड़नदस्ता से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के समीक्षोपरान्त श्री सिंह से स्पष्टीकरण किया गया। प्राप्त स्पष्टीकरण की समीक्षा विभागीय स्तर पर की गई। जिसमें निम्नांकित आरोप प्रथम द्रष्टया प्रमाणित पाया गया:—

1. नहर के बीयर एवं शीर्ष गेटों की मरम्मति का स्थायी निदान न कर विभागीय शीशम की लकड़ी का प्रावधान प्रत्येक वर्ष खरीफ एवं रबी सिंचाई के पूर्व गेट मरम्मति के प्राक्कलन में करते हुए लकड़ी की खपत किया गया जो कि विभागीय नियमों के प्रतिकूल है।

2. आपके द्वारा दिनांक 17.07.06 को लकड़ी का हस्तान्तरण का आदेश दिया गया। दिनांक 24.08.06 को हस्त पावती पर लकड़ी का हस्तान्तरण किया गया जिसे थाना द्वारा जब्त कर लिया गया। जब्ती के पश्चात श्री अहमद, कनीय अभियन्ता के द्वारा दिनांक 06.09.06 को कार्यपालक अभियन्ता/सहायक अभियन्ता को सूचना दी गई, परन्तु आपके द्वारा इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। जाँचदल को भी इससे संबंधित कोई अभिलेख नहीं उपलब्ध कराया गया जिससे इसमें आपकी संलिप्तता प्रतीत होती है।

उक्त प्रथम दृष्टया प्रमाणित आरोपों के लिए विभागीय संकल्प संख्या-475 दिनांक 19.04.11 द्वारा श्री सिंह के विरुद्ध बिहार पेंशन नियमावली के नियम 43 (बी0) में विहित रीति से विभागीय कार्यवाही संचालित की गई।

संचालन पदाधिकारी द्वारा अपने पत्रांक-591 दिनांक 20.09.13 द्वारा जाँच प्रतिवेदन समर्पित किया गया जिसकी समीक्षा सरकार के स्तर पर की गई। जाँच प्रतिवेदन के समीक्षोपरान्त संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से सहमत होते हुए आरोप सं0-1 एवं 2 को प्रमाणित नहीं माना जा सकता है। नियमानुसार सेवानिवृत्त पदाधिकारी के मामले में धटना धटित होने की तिथि (दिनांक 04.09.06) से चार साल उपरान्त अर्थात् 4.9.10 के बाद किसी भी प्रकार की कार्यवाही कालबाधित श्रेणी में आता है।

अतएव वर्णित तथ्यों एवं संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन की सम्यक समीक्षोपरान्त सिंह के विरुद्ध मामले को संचिकास्त करने का निर्णय विभाग द्वारा लिया गया।

उक्त निर्णय श्री नरेन्द्र बहादुर सिंह, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता, ढाका नहर नवीकरण प्रमण्डल, ढाका सम्प्रति सेवानिवृत्त ग्रा0-बसाढी, पो0-कुलमेहिया, जिला-सारण को संसूचित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
गजानन मिश्र,  
विशेष कार्य पदाधिकारी।

---

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 566-571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>